आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 07.06.2026 समय : 1905

<><><><><><><><>

1. विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने नागरिकों से स्वस्थ्य खान पान अपनाने तथा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देने का आग्रह किया।

2. अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग ने विनियमन–2026 पर होटल एवं रेस्तरां संचालकों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया।

3. श्री विजयपुरम में कैट की सर्किट बैठक कल से उन्नीस जून तक वचुर्अल माध्यम से आयोजित की जाएगी।

4. अंडमान निकोबार शतरंज संघ द्वारा राष्ट्रीय अंडर–7 शतरंज चैम्पियशिप के लिए चयन ट्रायल का आयोजन किया गया।

<><><><><><><><>

आज विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस है। इस वर्ष विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस का विषय है– समस्या से समाधान तक – हर जगह सुरक्षित भोजन। यह दिवस खाद्य सुरक्षा को एक अधिकार और सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में एक सशक्त अवसर प्रदान करता है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने स्वस्थ भविष्य के लिए सुरक्षित और स्वच्छ भोजन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। इस अवसर पर सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने नागरिकों से स्वस्थ खान–पान की आदतें अपनाने और स्वस्थ तथा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देने का आग्रह किया।

<><><><><><><><>

अंडमान एवं निकोबार अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं द्वारा कल अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विनियमन–2026 के संबंध में होटल, बार एवं रेस्तरां संचालकों तथा होटल संघों के प्रतिनिधियों के साथ एक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम फायर सर्विस ट्रेनिंग सेंटर के सम्मेलन कक्ष में आयोजित हुआ, जिसकी अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक (अग्निशमन) उमा शंकर ने की। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को विनियमन के प्रमुख प्रावधानों, वार्षिक स्व–घोषणा, तृतीय पक्ष फायर ऑडिट तथा भवन स्वामियों एवं उपयोगकर्ताओं की जिम्मेदारियों की जानकारी दी गई। पुलिस अधीक्षक (अग्निशमन) ने कहा कि यह विनियमन भारत के राष्ट्रपति द्वारा अधिसूचित किया जा चुका है और सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति के बाद

शीघ्र लागू होने की संभावना है। संवाद सत्र के दौरान हितधारकों ने अनुपालन प्रक्रिया, फायर ऑडिट और नियमों के क्रियान्वयन से जुड़े विभिन्न प्रश्न एवं सुझाव प्रस्तुत किए, जिनका विस्तार से समाधान किया गया। कार्यक्रम में होटल, बार, रेस्तरां एवं होटल संघों के कुल छियालीस प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

<><><><><><><>

भारतीय प्राणी सर्वेक्षण तथा पर्यावरण सूचना, जागरुकता, क्षमता निर्माण और आजीविका कार्यक्रम केन्द्र द्वारा हाल ही में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण एवं वन विभाग के प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव), रवि होरो मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथियों में प्रोफेसर नागेंद्र शर्मा, डॉ. जय सुन्दर, प्रोफेसर एस. कन्नन तथा बी.बी. बर्मन शामिल रहे। समारोह में भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के प्रभारी निदेशक डॉ. सी. शिवपेरुमन ने मुख्य विषय **हमारे भविष्य के लिए, प्रकृति से प्रेरित जलवायु** पर प्रकाश डाला। अतिथियों ने पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, सतत विकास, जैव विविधता और मिशन LiFE पर विचार रखे। कार्यक्रम में क्विज, चित्रकला, तटीय सफाई और रैली आदि गतिविधियों के प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

<><><><><><><>

श्री विजयपुरम में कैट की सर्किट बैठक कल से उन्नीस जून तक वचुर्अल माध्यम से आयोजित की जाएगी, जिसमें न्यायिक सदस्य उर्मिता दत्ता सेन, और प्रशासनिक सदस्य सुचित्तो कुमार दास, मामलों की सुनवाई करेंगे। इस दौरान नए आवेदन भी स्वीकार किए जाएंगे। जिन विभागों के मामले CAT में लंबित है वे संबंधित दस्तावेजों के साथ सरकारी अधिवक्ता और पैनल अधिवक्ताओं से संपर्क कर सकते हैं। साथ ही सभी विभागाध्यक्षों से अपने नोडल अधिकारियों को सुनवाई की तारीख पर संबंधित दस्तावेजों के साथ उपस्थित रहने का निर्देश देने को कहा गया है।

<><><><><><><>

विश्व पर्यावरण दिवस तथा राष्ट्रव्यापी खेत बचाओ अभियान के तहत केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने अपने कृषि विज्ञान केंद्रों, कृषि विभाग, यूटी–आत्मा एवं वन विभाग के सहयोग से पिछले दिनों द्वीपसमूह के विभिन्न क्षेत्रों में जागरुकता कार्यक्रमों एवं पौधारोपण अभियान का आयोजन किया। दक्षिण अंडमान के बिडनाबाद एवं छोलदारी गांवों में किसानों को पर्यावरण संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रमों में वैज्ञानिकों ने संतुलित उर्वरक उपयोग, प्राकृतिक खेती, एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन तथा एकीकृत कीट प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं,

मध्योत्तर अंडमान के निम्बूडेरा स्थित कृषि विज्ञान केंद्र परिसर में पौधारोपण अभियान चलाया गया तथा हरिनगर पंचायत के बिलीग्राउंड में स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के लिए जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। विशेषज्ञों ने किसानों एवं स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती अपनाने, रसोई बागानों में सुरक्षित एवं पौष्टिक सब्जियों के उत्पादन तथा वर्मी कम्पोस्ट के माध्यम से जैविक अपशिष्टों के पुनर्चक्रण के लिए प्रेरित किया।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार शतरंज संघ द्वारा आज ए एन सी ए शतरंज केंद्र में अंडर–7 शतरंज चयन ट्रायल का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य आगामी उनचालीसवीं राष्ट्रीय अंडर–7 शतरंज चौम्पियनशिप के लिए द्वीप समूह की टीम का चयन करना था। राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन 30 जून से 4 जुलाई तक नागपुर में होगा। कड़े मुकाबलों के बाद अंडर–07 बालक वर्ग में एसीएम नुहान सिद्दीक वी. के. ने प्रथम तथा कार्तिकेयन ए. ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं अंडर–07 बालिका वर्ग में नेहारिका डी. प्रथम और साशा एस. द्वितीय स्थान पर रहीं। चयनित खिलाड़ियों को 10 जून तक राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए अपनी लिखित सहमति एएनसीए कार्यालय, डेयरी फार्म में जमा करने के लिए कहा गया है। निर्धारित समय सीमा में सहमति नहीं मिलने की स्थिति में अवसर मेरिट सूची के अनुसार अगले पात्र खिलाड़ियों को प्रदान किया जाएगा।

<><><><><><><>

जवाहर लाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय में सत्र 2026–27 में विभिन्न स्नातक पाठ्यकमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए है। इच्छुक उम्मीदवार प्रवेश के लिए collegeadmission.andamannicobar.gov.in पर लॉग इन कर आवेदन कर सकते हैं। यह पोर्टल 20 जून तक खुला रहेगा। पात्रता मानदंडों के संबंध में विवरणिका और अन्य जानकारी भी CCAP पोर्टल के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है।

<><><><><><><>

महिला और बाल विकास मंत्रालय ने अगस्त–सितंबर सत्र के लिए अपने इंटर्नशिप कार्यक्रम में भाग लेने के लिए महिलाओं से आवेदन आमंत्रित किए हैं। इसमें छात्राएं, शोधकर्ता, सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षक शामिल हो सकते हैं, जो किसी विश्वविद्यालय या अन्य शैक्षणिक, गैर–शैक्षणिक संस्थान से जुड़े हों। आवेदन ऑनलाइन पोर्टल wcd.intern.nic.in के माध्यम से किए जा सकते हैं।

<><><><><><><><>

द्वीप समूह के एकाध स्थानों में आज मध्यम से हल्की वर्षा हुई मौसम विभाग के अनुसार आगामी सात दिनों के दौरान द्वीप समूह के कई स्थानों पर गरज के साथ भारी वर्षा होने की संभावना जताई गई है। मौसम संबंधी पूर्वानुमान में 11 जून तक द्वीप समूह के एक या दो स्थानों पर भारी वर्षा होने की आशंका जताई गई है। इस दौरान 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। मछुआरों को इस अवधि में समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। कृषकों को भी मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों को देखते हुए आवश्यक सावधानी बरतने और फसलों की सुरक्षा के लिए उचित प्रबंध करने की सलाह दी गई है।

<><><><><><><><>